

Padma Bhushan



SHRI KAMLESH D. PATEL

Shri Kamlesh D. Patel, also known as Daaji, is the founder of the Heartfulness Movement, and the 3rd President of Shri Ram Chandra Mission and the 4th in the Guru Parampara of the Sahaj Marg system of meditation, which uses special technique of Pranahuti to assist seekers in their spiritual progress. Today they are practiced by millions of people in over 160 countries.

2. Born on 28th September 1956, in rural Gujarat, Shri Patel displayed an early interest in both science and spirituality. He graduated with B. Pharma and M. Pharma with Honours in 1980. While still at college, he also started Sahaj Marg meditation in September 1976, meeting the spiritual Guide, Babuji Maharaj, in 1977. After college, he moved to New York City, U.S.A., where he built a successful chain of pharmacies. At the same time, he continued to pursue his love of meditation and played an increasingly active role in the Heartfulness Movement.

3. On 20th December 2014, Shri Patel became the spiritual head of the Heartfulness Movement. As a student of science and spirituality, he is always doing research to ensure that these practices are accessible to more and more people. This has led to online meditation master classes, the one-of-kind Heartfulness App that has the functionality to connect a seeker to a trainer anywhere in the world anytime, large-scale meditation Utsavs in many cities across India and abroad, as well as the regular sessions in centres and ashrams, schools and colleges, government offices and corporates, medical facilities, and the armed forces. In addition, he has developed Kanha Shanti Vanam, which is home to the world's largest meditation centre and the international headquarters of Heartfulness. He has also opened the Heartfulness Yoga Academy, the Heartfulness Tree Conservation Centre, the Heartfulness Wellness Centre, and spearheaded a revolution in Green Initiatives that are being rolled out across the world, in collaboration with local, state and federal governments, farmers, and partners. He is the author of three bestselling books - The Heartfulness Way, Designing Destiny, and The Wisdom Bridge.

4. In 2018, Shri Patel received an honorary doctorate from Sri Venkateswara University. In 2020, the Priyadarshini Academy awarded him the Ramkrishna Bajaj Memorial Global Award, and he has received India's Most Admirable Leader and The Silent Changemaker awards by various business publications and organizations. Kanha Shanti Vanam, has been the recipients of multiple awards, including "The Pride of Telangana," "Haritha Haram" for the last three years, and the Indian Green Building Council Platinum Award.



श्री कमलेश दी. पटेल

श्री कमलेश दी. पटेल, जिन्हें दाजी के नाम से भी जाना जाता है, हार्टफुलनेस मूवमेंट के संस्थापक और श्री राम चंद्र मिशन के तीसरे अध्यक्ष हैं और ध्यान की सहज मार्ग प्रणाली की गुरु परम्परा में चौथे गुरु हैं, जिसमें साधकों को उनकी आध्यात्मिक प्रगति में सहायता करने के लिए प्राणाहुति की विशेष तकनीक का उपयोग किया जाता है। आज 160 से अधिक देशों में लाखों लोग इस प्रणाली में योगाभ्यास करते हैं।

2. 28 सितंबर 1956 को ग्रामीण गुजरात में जन्मे, श्री पटेल की बाल्यकाल से ही विज्ञान और अध्यात्म दोनों में रुचि थी। उन्होंने 1980 में बी. फार्मा और ऑनर्स के साथ एम. फार्मा किया। कॉलेज में रहते हुए, उन्होंने सितंबर 1976 में सहज मार्ग ध्यान भी शुरू किया, और 1977 में आध्यात्मिक मार्गदर्शक, बाबूजी महाराज से उनकी भेंट हुई। कॉलेज के बाद, वह न्यूयॉर्क सिटी, अमेरिका चले गए, जहां उन्होंने फार्मेशियों की एक सफल श्रृंखला स्थापित की। साथ ही, उन्होंने ध्यान के प्रति अपना लगाव जारी रखा और हार्टफुलनेस आंदोलन में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाई।

3. 20 दिसंबर, 2014 को श्री पटेल हार्टफुलनेस आंदोलन के आध्यात्मिक प्रमुख बने। विज्ञान और अध्यात्म के छात्र के रूप में, वह हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए शोधरत रहते हैं कि ये अभ्यास अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकें। इसके परिणामस्वरूप ऑनलाइन ध्यान मास्टर कक्षाओं, अपनी तरह का अनन्य हार्टफुलनेस ऐप का विकास किया गया है, जिसमें कोई साधक दुनिया में कहीं भी किसी भी समय एक प्रशिक्षक से जुड़ सकता है, भारत और विदेशों के कई शहरों में वृहत स्तरीय ध्यान उत्सवों का आयोजन हुआ है, साथ ही साथ विभिन्न केंद्रों और आश्रमों, स्कूलों और महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और कॉरपोरेट कार्यालयों, चिकित्सा सुविधाओं और सशस्त्र बलों में नियमित सत्र आयोजित हुए हैं। इसके अलावा, उन्होंने कान्हा शांति वनम तैयार किया है, जो दुनिया का सबसे बड़ा ध्यान केंद्र और हार्टफुलनेस का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय है। उन्होंने द हार्टफुलनेस योग अकादमी, द हार्टफुलनेस ट्री कंजर्वेशन सेंटर, द हार्टफुलनेस वेलनेस सेंटर भी खोला है, और हरित पहलों में एक क्रांति लायी है, जो स्थानीय, राज्य और संघीय सरकारों, किसानों और भागीदारों के सहयोग से दुनिया भर में फैल रही है। वह तीन बेस्टसेलिंग पुस्तकों – द हार्टफुलनेस वे, डिजाइनिंग डेस्टिनी और द विजडम ब्रिज के लेखक हैं।

4. वर्ष 2018 में, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय ने श्री पटेल को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। 2020 में, प्रियदर्शिनी अकादमी ने उन्हें रामकृष्ण बजाज मेमोरियल ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया, और उन्हें विभिन्न व्यावसायिक प्रकाशनों और संगठनों द्वारा मोस्ट एडमाइरेबल लीडर और साइलेंट चेंजमेकर पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। कान्हा शांति वनम को पिछले तीन वर्षों में कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें "तेलंगाना की शान," "हरित हरम" और इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल प्लेटिनम अवार्ड शामिल हैं।